रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 22, 2016/माघ 2, 1937
No. 205] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 22, 2016/MAGHA 2, 1937

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2016

का.आ. 229(अ).—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, ; और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने में हितबद्ध है, इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 या ई-मेल पते: esz-mef@nic.in पर लिखित रूप में भेज सकेगा ।

प्रारूप अधिसूचना

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (बाद में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में जाना जाने लगा)मुंबई के महानगर में संलग्न एक अद्वितीय निवास स्थान है और महाराष्ट्र के ठाणे और मुंबई जिले के उ 19° 8.8" से 19 ° 21" अक्षांश और पू 72° 53" से 72 ° 58" देशांतर के बीच स्थित है;

और, राष्ट्रीय उद्यान वनस्पति और जीवजन्तु की संकटापन्न प्रजातियों का एक निवास स्थान है और लगभग 800 फूलों के पौधों की प्रजातियों, 45 स्तनधारी की प्रजातियों, 43 सरीसृपों की प्रजातियों, 38 सांपो की प्रजातियों, 12 उभयचरों की प्रजातियों ,300 पक्षियों की प्रजातियों, 150 तितलियों की प्रजातियों का वास है ;

और, क्षेत्र स्तनी वर्ग की प्रजातियों के लिए जाना जाता है जिसमें तेंदुआ, बनैला सूअर, चौसींगा मृग, ब्लाक नाफेड खरगोश, जंगली बिल्ली, सियार और साही है और कई पक्षी प्रजातियों जैसे का मोर, लेसर ग्रेब, बैंगनी बगुला, छोटा सफेद बगुला, लेसर विस्लिंग टील, अछूत चिल, बुलबुल वास है और राष्ट्रीय उद्यान में कई सरीसृप भी पाए जाते हैं जिसमें सांप जैसे- भारतीय कोबरा और वीपर सम्मिलित है;

और, क्षेत्र की वनस्पति तटवर्ती वनों से पश्चिमी उप- उष्णकटिबंधी पर्वती वनों तक है और चैंपियन और सेठ द्वारा भारतीय वनों के प्रकार का संशोधित वर्गीकरण के अनुसार राष्ट्रीय उद्यान में दक्षिणी- उष्णकटिबंधी आर्द्र मिश्रित पर्णपाती वन और पश्चिमी उप-उष्णकटिबंधी पर्वती वन और कुछ वृक्ष प्रजातियाँ है जिसमें टेकटोना ग्रैंड्रिस, ट्रमनीलिया टोमैंटोसा, आकिया कटेचू, अडीना कोरडीफोलिया, मीतरागयान परवीफलोरा, पेट्रोकरपस मरसपियम, होलररेहना ऐंटीडयसेंट्रीका,बूटी मोनोर्स्पमा और डियोसपयोरस मैलनऑक्सीलन आदि है;

और, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिक संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिक संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गो के प्रचालन तथा प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, इसलिए, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (3) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 4 किलोमीटर तक के विस्तार के क्षेत्र को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान पारिस्थितिक संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिक संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :--

1. **पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं--**(1) पारिस्थितिक संवेदी जोन 6110.629 हेक्टेयर क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा 4 किलोमीटर तक के क्षेत्र में फैला हुआ है । पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध I** में दिया गया है ।

(2) पारिस्थितिक संवेदी जोन में आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध II** के रूप में उपाबद्ध है ।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र इसके अक्षांश और देशान्तर के साथ **उपाबंध III** के रूप में उपाबद्ध है।

2. पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना – (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में संलग्न अनुबंधों के सामंजस्य से आंचलिक महायोजना तैयार करेगी ।

(2) आचंलिक महायोजना राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होगी ।

(3) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिक संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना इस तरह, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रूप तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के सामंजस्य और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(4) आंचलिक महायोजना, पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय विचारों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के सभी संबद्ध विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:--

(i) पर्यावरण ;

(ii) वन ;

(iii शहरी विकास ;

(iv) पर्यटन ;

(v) नगरपालिक ;

(vi) राजस्व ;

(vii) कृषि ;

(viii) महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;

(ix) सिंचाई ;

(x) लोक निर्माण विभाग।

(5) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में और अधिक दक्षता और पारिस्थितिक अनुकूलता का संवर्धन करेगी ।

(6) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिक और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलूओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(7) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान एवं प्रस्तावित पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोधान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी ।

(8) आंचलिक महायोजना स्थानीय समुदायों की जीवकोपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए, पारिस्थितिक संवेदी जोन में विकास को पारिस्थितिक अनुकूल विकास के लिए विनियमित करेगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय—**राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात् :**—**

(1) **भू-उपयोग -** पारिस्थितिक संवेदी जोन में वनों, उद्यान-कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, आमोद-प्रमोद के प्रयोजन के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक और औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा :

परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर कृषि भूमि का संपरिवर्तन, मानीटरी समिति की सिफारिश पर और राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से, स्थानीय निवासियों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए और पैरा 4 की सारणी के स्तंभ (2) के अधीन मद सं0 10, 16, 22, 28 और 31 के सामने सूचीबद्ध क्रियाकलापों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात होंगे, अर्थात् :-

(i) पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलापों के लिए पर्यटकों के अस्थायी आवासन के लिए पारिस्थितिक अनुकूल आरामगाह जैसे टैंट, लकड़ी के मकान आदि ;

(ii) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना,पुल, आधारभूत संरचना और उन्हें सुदृढ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण ;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) वर्षा जल संचय; और

(v) कुटीर उद्योग, जिसके अंतर्गत ग्रामीण दस्तकार,स्टोर और स्थानीय सुविधाएं है।

परंतु यह और कि जनजातीय भूमि का उपयोग राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या उद्योग विकास क्रियाकलापों के लिए अनुज्ञात नहीं होगा :

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई त्रुटि, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार संशोधित होगी और उक्त त्रुटि के संशोधन की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को देनी होगी ।

परंतु यह और भी कि उपर्युक्त त्रुटि का संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा ।

परंतु यह और भी कि जिससे हरित क्षेत्र में जैसे वन क्षेत्र, कृषि क्षेत्र आदि में कोई पारिणामिक कटौती नहीं होगी और अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे ।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों—**आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनरुद्भूतकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के लिए ऐसी रीति से मार्गनिर्देश तैयार किए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन –** (क) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप पर्यटन महायोजना के अनुसार होंगे जो कि आंचलिक महायोजना के भाग रूप में होगी ।

(ख) पर्यटन महायोजना पर्यटन विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा राजस्व और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी ।

(ग) पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नलिखित के अधीन विनियमित होंगे, अर्थात् :-

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिक पर्यटन (समय-समय पर यथा संशोधित) मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार, पारिस्थितिक पर्यटन, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास को महत्व देते हुए पारिस्थितिक संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन पर आधारित होगा;

(ii) पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटक क्रियाकलापों के संबंध में अस्थायी अधिभोग के लिए वास सुविधा के सिवाय संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से एक किलोमीटर भीतर होटल और रिसोर्टों का नया संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा ;

परंतु संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकीय संवेदी जोन की सीमा तक नए होटल और रिसोर्ट के स्थापन पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकीय पर्यटन सुविधा के लिए पूर्व परिभाषित और विनिर्दिष्ट स्थान में ही अनुज्ञात किया जाएगा ।

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया होगा ।

(4) **नैसर्गिक विरासत --** पारिस्थितिक संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे सभी जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातो आदि की पहचान की जाएगी और उन्हें संरक्षित किया जाएगा तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षा के लिए अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह मास के भीतर, उपयुक्त योजना बनाएगी और ऐसी योजना आंचलिक महायोजना का भाग होगा ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल -** पारिस्थितिक संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, कलात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान करनी होगी और अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से छह माह के भीतर उनके संरक्षण की योजनाएं तैयार करनी होगी तथा आंचलिक महायोजना में सम्मिलित की जाएगी ।

(6) **ध्वनि प्रदूषण --** पारिस्थितिक संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(7) **वायु प्रदूषण --** पारिस्थितिक संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार का पर्यावरण विभाग, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसरण में मार्गदर्शक सिद्धांत और विनियम तैयार करेगा ।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण --** पारिस्थितिक संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार होगा ।

(9) **ठोस अपशिष्ट –** ठोस अपशिष्टों का निपटान निम्नलिखित रूप में होगा **-**

(i) पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 908 (अ), तारीख 25 सितंबर, 2000 नगरपालिक ठोस अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 2000 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ;

(ii) स्थानीय प्राधिकरण जैव निम्नीकरणीय और अजैव निम्नीकरणीय संघटकों में ठोस अपशिष्टों के संपृथक्करण के लिए योजनाएं तैयार करेंगे ;

(iii) जैव निम्नीकरणीय सामग्री को अधिमानतः खाद बनाकर या कृमि खेती के माध्यम से पुनःचक्रित किया जाएगा ;

(iv) अकार्बनिक सामग्री का निपटान पारिस्थितिक संवेदी जोन के बाहर पहचान किए गए स्थल पर किसी पर्यावरणीय स्वीकृत रीति में होगा और पारिस्थितिक संवेदी जोन में ठोस अपशिष्टों को जलाना या भष्मीकरण अनुज्ञात नहीं होगा ।

(10) **जैव चिकित्सीय अपशिष्ट-** पारिस्थितिक संवेदी जोन में जैव चिकित्सीय अपशिष्टों का निपटान भारत सरकार के तत्कालीन द्वारा पर्यावरण और वन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.का.आ.630 (अ) तारीख 20 जुलाई, 1998 द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सीय अपशिष्ट (प्रबंध और हथालन) नियम, 1998 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(11) **यानीय परिवहन -** परिवहन की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध अधिकथित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय गतिविधियों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(12) **औद्योगिक इकाईयाँ -**

(क) प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नए काष्ठ उद्योगों की स्थापना विधि के अनुसार स्थापित विद्यमान काष्ठ आधारित उद्योगों के लिए अनुज्ञात की जाएगी अन्यथा नहीं ।

(ख) प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर जल, वायु, मृदा, ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न करने वाले किसी नए उद्योग की स्थापना नहीं की जाएगी ।

4. पारिस्थितिक संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों की सूची - पारिस्थितिक संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के उपबंधों और तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :—

सारणी

क्रम सं.	क्रियाकलाप	टीका-टिप्पणी
1	2	3
	प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप :	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाइयां ।	(क) सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और उनको तोड़ने की इकाइयां प्रतिषिद्ध हैं, सिवाय निवासियों की सद्भावपूर्ण घरेलू आवश्यकताओं के नहीं होंगी, जिसके अंतर्गत गृहों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए मिट्टी की खुदाई और व्यक्तिक उपभोग के लिए गृहों के निर्माण के लिए देशी टाइलों या ईंटों का संनिर्माण भी है । (ख) विद्यमान पत्थर क्रशर का लाइसेंस / पट्टा बढ़ाया नहीं किया जाएगा। (ग) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के अंतरिम आदेश के अनुसरण में सर्वदा प्रचालन होगा ।
2.	आरा मीलों की स्थापना ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मीलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
3.	जल या वायु या मृदा या ध्वनि प्रदूषण कारित करने वाले उद्योगों की स्थापना ।	पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर नए और विद्यमान प्रदूषण कारित करने वाले उद्योग का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा ।
4.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
5.	नए बृहत जल विद्युत, सिचाई परियोजनाओं और थर्मल परियोजना का स्थापना ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।
6.	खतरनाक पदार्थों का उपयोग या उत्पादन ।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) ।

7.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में अनुपचारित बहिर्स्राव और ठोस अपशिष्टों का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
8.	पर्यटन से संबंधित क्रियाकलाप जैसे वायुयान, गर्म वायु गुब्बारों का राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र के ऊपर से उड़ना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय)।
9	नए काष्ठ आधारित उद्योग।	पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमाओं के भीतर नए काष्ठ आधारित उद्योग की स्थापना को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा : परंतु विद्यमान काष्ठ आधारित उद्योग कुछ समय के बल के लिए लागू विधि के अनुसार निरंतर बने रहेंगे ;
	विनियमित क्रियाकलाप	
10.	होटलों और रिसोर्टों की स्थापना।	पारिस्थितिक अनुकूल पर्यटन क्रियाकलाप से संबंधित पर्यटकों को अस्थायी अधिभोग के लिए वास सुविधा के सिवाय राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर कोई नया वाणिज्यिक होटल और रिसोर्ट अनुज्ञात नहीं होंगे। परंतु एक किलोमीटर से परे और पारिस्थितिक संवेदी ज़ोन के विस्तार तक सभी नए पर्यटक क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण के अनुसार होगा।
11	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) किसी किस्म का कोई नया वाणिज्यिक संनिर्माण राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर अनुज्ञात नहीं होगा। परंतु स्थानीय व्यक्ति पैरा 3 के उपपैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने आवासीय उपयोग हेतु अपनी भूमि में संनिर्माण किए जाने के लिए अनुज्ञात होंगे। परंतु यह कि स्वीकृत विकास योजना के तहत संबंधित स्थानीय स्वयं सरकार द्वारा मंजूर आदि ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों, कार्यालयों, आईटी / आईटीईएस पार्क, होटल और रिसॉर्ट्स, सड़कें, पारेषण लाइनों, सीवेज लाइनों, नागरिक सुविधाओं, सहित निर्माण के तहत वाणिज्यिक भवनों एम.आर. एवं टी.पी. अधिनियम, लागू नियमों और विनियमों वन्यजीव निकासी सहित अन्य विषय बातों के साथ करने के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर पूरा करने की अनुमति दी जाएगी: परंतु यह कि वाणिज्यिक पुनर्विकास, पुनर्निर्माण, एम.आर और टी.पी. के तहत स्वीकृत विकास योजना के तहत संबंधित स्थानीय स्वयं सरकार द्वारा मंजूर की ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों को भी शामिल किया जाएगा, जो मौजूदा ढांचे की मरम्मत अधिनियम, वन्यजीव निकासी सहित लागू नियमों और विनियमों अन्य विषय बातों के साथ करने के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर की अनुमति दी जाएगी। (ख) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप विनियमित होंगे तथा लागू नियमों और विनियमों के अनुसार, यदि कोई हों, सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमति से उनके प्रदूषण को कम किया जाएगा। (ग) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर से परे पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमा तक वास्तविक स्थानीय लोगों के लिए संनिर्माण कार्य अनुज्ञात किया जाना आवश्यक होगा और अन्य वाणिज्यिक संनिर्माण क्रियाकलाप आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।

		(घ) पारिस्थितिक संवेदी जोन में संनिर्माण क्रियाकलाप आंचलिक महायोजना के अनुसार होंगे।
12.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में किन्ही वृक्षों की कटाई नहीं होगी; (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केन्द्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगी;
13.	वाणिज्यिक जल संसाधन जिसके अंतर्गत भू-जल संचयन भी है।	(क) भूमि के अधिभोगी के वास्तविक कृषि और घरेलू खपत के लिए जल का निष्कर्षण सतही और भूमिगत जल के लिए अनुज्ञात होगा। (ख) औद्योगिक, वाणिज्यिक उपयोग के लिए सतही और भूमिगत जल का निष्कर्षण के लिए संबंधित विनियामक प्राधिकरण से पूर्व लिखित अनुज्ञा अपेक्षित होगी जिसके अंतर्गत कितने परिणाम में वह निष्कर्षण करेगा, भी है ; परंतु यह कि तुलसी और विहार के विद्यमान जलाशयों के लिए एमसीजीएम की क्रियाकलापों और उद्देश्य में बाधा नहीं होगी। (ग) सतही या भूजल का विक्रय अनुज्ञात नहीं होगा। (घ) जल के संदूषण या प्रदूषण, जिसके अंतर्गत कृषि भी है, को रोकने के लिए सभी उपाय किए जाएंगे।
14.	विद्युत केबलों और दूरसंचार टावरों का परिनिर्माण।	(क) संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी पर नई हाईटेंशन ट्रांसमिशन तारों को बिछाने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। (ख)भूमिगत केबलों को प्रोत्साहन देना।
15.	होटलों और लॉज के विद्यमान परिसरों में बाड़ लगाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
16.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना,पुल, आधारभूत संरचना और उन्हें सुदृढ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण।	उचित पर्यावरण समाघात निर्धारण और न्यूनीकरण उपाय यथा लागू अनुसार होंगे।
17.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे।
18.	विदेशी प्रजातियों को लाना ।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
19.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
20.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण।	उपचारित बहिर्स्राव के पुनचक्रण को प्रोत्साहित करना और अबमल या ठोस अपशिष्टों के निपटान के लिए विद्यमान विनियमों का अनुपालन करना होगा।
21.	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
22.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।	पारिस्थितिक संवेदी जोन से गैर प्रदूषण, गैर परिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि उद्यान, कृषि या कृषि आधारित देशीय माल से औद्योगिक उत्पादों का उत्पादन उद्योग और जो पर्यावरण पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं डालते हैं, अनुज्ञात किए जाएंगे।
23.	वन उत्पादों और गैर कास्ठ वन उत्पादों का संग्रहण (एन.टी.एफ.पी.)।	वन्यजीव अभयारण्य / राष्ट्रीय उद्यान की सीमा से 1.000 किमी के भीतर किसी संग्रह केंद्र की अनुमति नहीं दी जाएगी।
24	वायु और यानीय प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
25	पोलिथीन के थैलों का उपयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
26	कृषि प्रणाली में प्रबल बदलाव।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।

संवर्धित क्रियाकिलाप		
27.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, डेयरी उद्योग, एक्वाकल्चर और मछली पालन।	लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
28.	वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाए।
29.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाए।
30.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाए।
31.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढावा दिया जाए।
32.	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत का उपयोग।	बायोगैस, सौर रोशनी आदि को बढ़ावा दिया जाए।

5. मानीटरी समिति- (1) केंद्रीय सरकार, पारिस्थितिक संवेदी जोन के प्रभावी मानीटरी के लिए एक मानीटरी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

(क) जिला कलक्टर, ठाणे जिला —अध्यक्ष

(ख) मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, वन प्रभाग अधिकारी, संजय गांधी नेशनल पार्क। —सदस्य

(ग) उप कलेक्टर, मुंबई उपनगरीय जिला। —सदस्य

(घ) पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों का महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट एक प्रतिनिधि - —सदस्य

(ङ) पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक वर्ष के लिए नामनिर्दिष्ट एक विशेषज्ञ —सदस्य

(च) प्रादेशिक अधिकारी ,महाराष्ट्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुंबई/ ठाणे —सदस्य

(छ) ज्येष्ठ कस्बा योजनाकार, मुंबई/ ठाणे —सदस्य

(ज) सहायक वन संरक्षक (एल. आर. पी.) ठाणे —सदस्य

(झ) श्रेणी वन अधिकारी, ठाणे —सदस्य

(ञ) वन सर्वेक्षक ठाणे प्रभाग —सदस्य

(ट) उप वन संरक्षक, ठाणे वन प्रभाग —सचिव

(2) मानिटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

(3) पारिस्थितिक संवेदी जोन में भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में के अधीन सम्मिलित क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की दशा में वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण निकासी के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।

(4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिक संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध कलक्टर या संरक्षित क्षेत्र का प्रभारी ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) मानीटरी समिति मुद्दों के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक की केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट **उपाबंध** IV में उपबंधित रूप विधान के अनुसार उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निदेश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे।

6. इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगे।

7. माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले किसी आदेश, यदि कोई हों, के अधीन, इस अधिसूचना के उपबंध होंगे।

[फा. सं. 25/47/2014-ईएसजेड-आरई]

डॉ. टी चांदनी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध I

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन की सीमाओं का विवरण

दिशा	घिरा हुआ
उत्तर	ससुनवघर(मलजीपड) नाला की सीमा (अक्षांश19⁰20'48.91"उ)(देशांतर72⁰53'32.47"पू)
पूर्व	नगले(पी.टी), ओवला(पी.टी), बोरीवडे(पी.टी), वडावली(पी.टी), कवेसर(पी.टी), कोलशेट(पी.टी), मनपड(पी.टी), मजीवाडा(पी.टी), पचपाखादी (पी.टी), मुलुंद(पी.टी), नहूर(पी.टी), करेलाबाद(पी.टी), विहार की सीमा (अक्षांश19⁰14'39.38"उ)(देशांतर 72⁰58'35.54"पू)
दक्षिण	आरे डेयरी प्रभाग सीमा का क्षेत्र , ग्राम साई (पी.टी) (अक्षांश19⁰07'27.76"उ)(देशांतर72⁰52'46.89"पू)
पश्चिम	आरे डेयरी प्रभाग सीमा का क्षेत्र ,मलद(पी.टी),अकूरली(पी.टी),पोईसर(पी.टी),मगठाणे(पी.टी), कनहेरी(पी.टी),दहीसर(पी.टी),कासी(पी.टी), मीरा(पी.टी), घोदबूनदेर(पी.टी), वरसवे(पी.टी), ससुनवघर(पी.टी) (अक्षांश19⁰13'53.22"उ)(देशांतर72⁰51'45.76"पू)

उपाबंध-II

प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन का मानचित्र

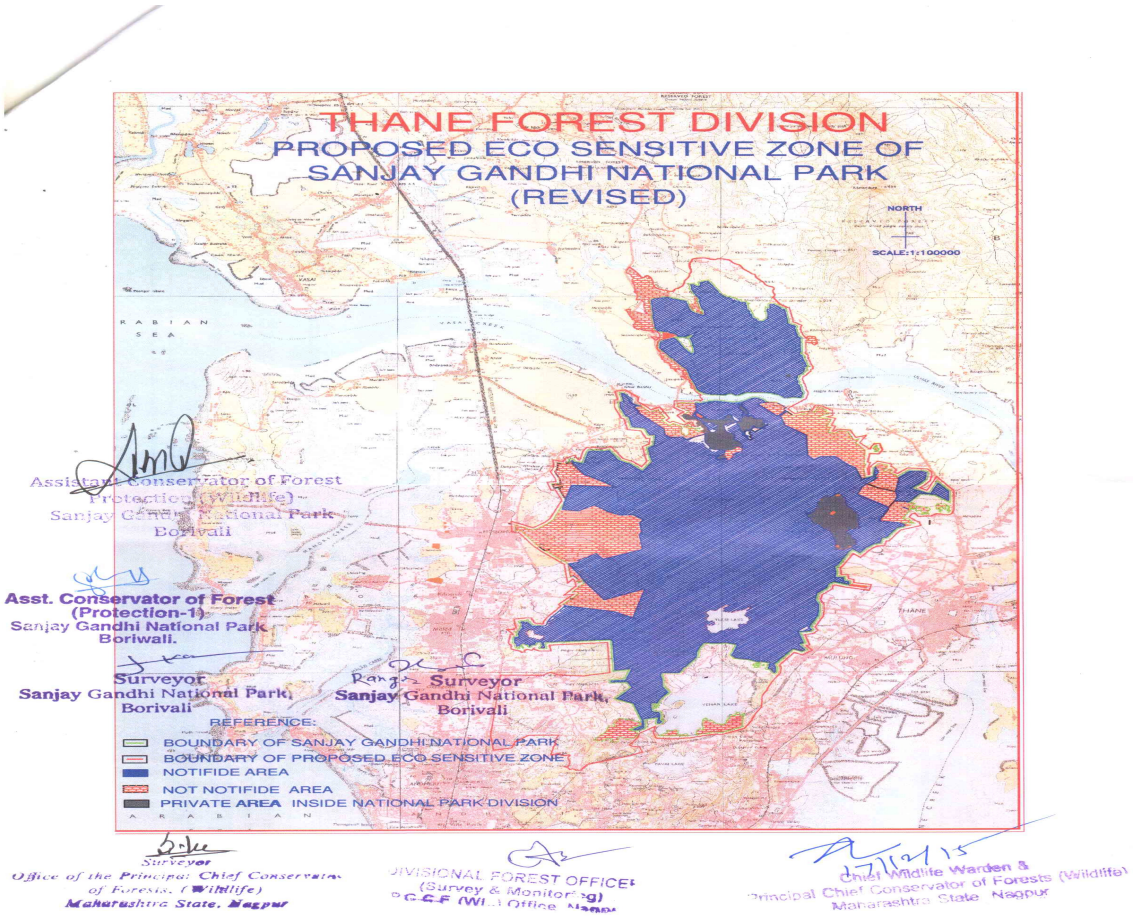

संरक्षित क्षेत्र के अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिक संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों नगरी की सूची/

(निर्देशांक-उसके भीतर कम से कम एक बिन्दु के भू)

क्र.सं.	ग्राम के नाम	पारिस्थितिक संवेदी जोन	
		अक्षांश	देशांतर
1	तुलसी ग्राम में तुलसी झील	19°11'25.99"	72° 55'00.72"
2	क्लेराबाद	19°09'59.11"	72° 55'42.14"
3	मुलुनद	19°10'47.09"	72° 56'19.99"
4	नाहुर	19°10'02.33"	72° 55'52.84"
5	गुन्दगांव (विहार झील)	19°10'10.59"	72° 55'19.52"
6	विहार (विहार झील)	19°08'45.58"	72° 55'22.43"
7	कंजुर	19°08'32.66"	72° 55'13.80"
8	पसपोली	19°08'19.32"	72° 54'26.38"
9	सैई	19°08'22.89"	72° 54'31.23"

10	आरे का क्षेत्र (गोशाला विकास प्रभाग)	19°09'59.24"	72° 51'31.90"
11	आरे	19°10'04.75"	72° 52'31.31"
12	मरोल (मोरोशी)	19°08'22.27"	72° 53'37.37"
13	मलाद	19°10'50.99"	72° 52'54.28"
14	अकुरली	19°11'51.86"	72° 52'42.88"
15	पोइसार	19°12'45.92"	72° 52'37.54"
16	कनदीवली	19°12'28.52"	72° 50'38.93"
17	मगाथाने	19°13'07.72"	72° 52'23.75"
18	कनहेरी	19°13'52.58"	72° 51'45.53"
19	शिमपोली	19°13'10.14"	72° 50'45.17"
20	बोरीवली तारफ मलाद	19°14'07.70"	72° 50'15.02"
21	दहीसार	19°14'16.12"	72° 52'22.34"
22	काशी	19°15'43.13"	72° 52'48.54"
23	मीरा	19°15'27.70"	72° 53'47.65"
24	घोदबुन्देर	19°17'31.44"	72° 53'22.10"
25	वरसावा	19°16'37.12"	72° 54'24.26"
26	चेने	19°16'28.17"	72° 55'01.30"
27	प्राचीन गांव -ओवला (नया गांव सहित भयानदेरपाडा)	19°17'06.44"	72° 56'23.27"
28	वदावली	19°15'28.32"	72° 57'18.84"
29	बोरीवाडा	19°15'24.04"	72° 57'35.51"
30	कावेसर	19°15'33.30"	72° 57'55.78"
31	कोलशेट	19°14'58.33"	72° 58'28.02"
32	मनपाडा	19°14'13.46"	72° 58'26.87"
33	मजीवाडा	19°13'43.89"	72° 57'43.25"
34	पचपाखाडी	19°12'15.06"	72° 57'15.79"
35	येउर	19°14'01.49"	72° 56'40.71"
36	ससुनावघर	19°19'15.85"	72° 53'37.82"
37	मोरी	19°20'53.73"	72° 54'35.26"
38	पोमान	19°20'22.36"	72° 55'42.07"
39	कमान	19°20'59.72"	72° 54'56.78"
40	शिलोत्तार	19°20'00.32"	72° 55'46.02"
41	नागले	19°18'57.18"	72° 56'23.63"

S.No.	Latitide	Longitude	Remarks
A	19°20'26.91"	72° 54'27.07"	काइर्न्स सीमा (बुरुज)
B	19°19'49.81"	72° 55'44.18"	काइर्न्स सीमा (बुरुज)
C	19°17'06.50"	72° 55'53.31"	ओवले सर्वे नंबर -289
D	19°15'32.08"	72° 58'11.00"	कावेसर आर.सी.सी. वाल
E	19°12'20.36"	72° 56'59.00"	पचपखड़ी आर.सी.सी. वाल
F	19°10'01.07"	72° 55'49.04"	नहुर आर.सी.सी. वाल
G	19°08'34.24"	72° 53'37.85"	साए (बंगोड़ा) आर.सी.सी. वाल
H	19°10'53.22"	72° 52'24.63"	मालाड वाल
I	19°14'17.20"	72° 52'27.43"	काइर्न्स सीमा (बुरुज) दहिसर सर्वे नंबर 42 ब
J	19°15'56.40"	72° 52'52.39"	ख़ासी वाल
K	19°17'11.84"	72° 53'25.24"	घोद्बुंदर वाल
L	19°17'27.11"	72° 54'40.80"	सौनवघर वाल

उपाबंध-III

प्रस्तावित पारिस्थितिक संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्रं.सं	ग्रामों के नाम	पारिस्थितिक संवेदी जोन		
		निजी भूमि (हेक्टेयर)	वन क्षेत्र(हेक्टेयर)	कुल (हेक्टेयर)
1.	तुलसी	120.000	---	120.000
2.	क्लेराबाद	10.6817	0.395	11.0767
3.	मुलुनद	18.590	2.800	21.390
4.	नाहुर	15.680	2.873	18.553
5.	गुन्दगांव (विहार झील)	293.110	45.527	338.637
6.	विहार (विहार झील)	510.790	---	510.790
7.	कंजुर	3.0000	---	3.0000
8.	पसपोली	18.71	---	18.71
9.	सैई	137.310	3.315	140.625
10.	आरे डेयरी विभाग का क्षेत्र और सौंप गये क्षेत्रों द्वारा आरे के अन्य राज्य विभागों में ग्रामों को शामिल किया गया।	1279.740	---	1279.740
11.	ग्राम में महाराष्ट्र फिल्म, स्टेज और सांस्कृतिक विकास निगम लिमिटेड का फिल्मसिटी क्षेत्र - आरे, सैई और गुन्दगांव।	210.830	---	210.830

12.	मरोल (मोरोशी)	97.000	76.000	173.000
13.	मलाद	95.12	---	95.12
14.	अकुरली	17.230	99.709	116.939
15.	पोइसार	16.120	119.491	135.611
16.	कनदीवली		0.752	0.752
17.	मगाथाने	26.280	575.331	601.611
18.	कनहेरी	19.770	12.606	32.376
19.	शिमपोली		4.846	4.846
20.	बोरीवली तारफ मलाद		7.249	7.249
21.	दहीसार	39.740	87.833	127.573
22.	काशी	34.090	---	34.090
23.	मीरा	23.000	---	23.000
24.	घोदबुन्देर	38.040	0.557	38.597
25.	वरसावा	58.650	102.084	160.734
26.	चेने	185.37	13.915	199.285
27.	प्राचीन गांव -ओवला (नया गांव सहित भयानदेरपाडा)	92.65	415.147	507.797
28.	वदावली	1.910	---	1.910
29.	बोरीवाडा	11.590	136.830	148.420
30.	कावेसर	42.000	---	42.000
31.	कोलशेट	10.840	---	10.840
32.	मनपाडा	49.4054	68.141	117.546
33.	मजीवाडा	66.890	1.720	68.610
34.	पचपाखाडी	42.000	4.835	46.835
35.	येउर	197.453	6.169	203.622
36.	ससुनावघर	103.320	130.581	233.901
37.	मोरी	164.530	---	164.530
38.	पोमान	79.130	---	79.130
39.	कमान	12.140	---	12.140
40.	शिलोत्तार	3.630	---	3.630
41.	नागले	39.3202	6.2625	45.5827
42.	**कुल**	**4785.66**	**1924.969**	**6110.629**

ख. पारिस्थितिक संवेदी जोन का विस्तार (प्रस्तावित में ग्रामदर सर्वेक्षण संख्या शामिल)

क्रं. सं	तालुक	ग्रामों के नाम	पारिस्थितिक संवेदी जोन				कुल (हेक्टेयर)
			निजी भूमि सर्वे सं.	निजी भूमि (हेक्टेयर)	वन भूमि सर्वे सं.	वन क्षेत्र (हेक्टेयर)	
1	कूरला	मुलूनद	377/351पी टी, 380पी टी, 247पी टी, 232पी टी, 247पी टी, 248पी टी, 249पी टी, 251पी टी, 250पी टी, 245पी टी,	18.590	377/351पी टी	2.800	21.390
2		नहूर	150पी टी (17 ए पी टी), 147 पी टी, 146 पी टी, 155 पी टी, 176/148, 165, 167.	15.680	177/148 पी टी	2.873	18.553
3	बोरीवली	गुन्दगांव (विहार झील)	विहार झील,	293.11	124 पी टी,	45.527	338.637
4		विहार (विहार झील)	61, 62, 63, 58, विहार झील	510.790	---	---	510.790
5		आरे डेयरी विभाग का क्षेत्र और सौंप गये क्षेत्रों द्वारा आरे के अन्य राज्य विभागों में ग्रामों को शामिल किया गया।	-------	1279.74	---	---	1279.74
6	बोरीवली	ग्राम में महाराष्ट्र फिल्म, स्टेज और सांस्कृतिक विकास निगम लिमिटेड का फिल्मसिटी क्षेत्र - आरे पी टी, सैई-पी टी और गुन्दगांव पी टी	1/1, 1/3 पी टी, 1/4 पी टी, 188पी टी(124पी टी), 19पी टी,	210.83	---	---	210.83
7	अंधेरी	मरोल (मोरोशी) (रॉयल पाम)	169	97.000	सीटीएस सं.-1689पी टी, 1690पी टी, 1697पी टी,	76.000	173.000
8	बोरीवली	सैई	162, 168, 6, 7, 160, 118पी टी, 8, 179, 9, 10, 128, 19, 18, 5, 169, 12, 15, 170, 17, 16, 173, झील	137.31	19पी टी	3.315	140.625
9		क्लेराबाद	55,56,	10.6817	57पी टी	0.395	11.0767
10		मलाद	239/1पी टी, 269, 267पी टी, 271, 272, 253पी टी, 273पी टी, 274पी टी, 275पी टी, 276, 277पी टी, 278पी टी, 237पी टी, 221पी टी, 227पी टी, 226पी टी, 224, 223पी टी, 234, 222पी टी, 225पी टी, 228पी टी, 233पी टी, कूरर ग्राम भाग क्षेत्र	95.12			95.12
11		अकूरली	88पी टी, 86पी टी, 87A-पी टी	17.230	87ए-पी टी	99.709	116.939
12		पोईसर	41पी टी, 42Aपी टी,	16.120	42/ए-पी टी, 46	119.491	135.611

13		मगठाणे	148पी टी, 80, 88पी टी, 99पी टी, 98पी टी, 97पी टी, 96पी टी, 105पी टी, 95पी टी, 94पी टी, 57पी टी, 58पी टी, 50पी टी, 34पी टी, 47पी टी, 48पी टी, 89पी टी, 34B-पी टी.	26.280	34बी-पी टी	575.331	601.611
14		कनहेरी	17पी टी, 16पी टी, 18Aपी टी, 18गबी, 19पी टी, 21पी टी, 10पी टी, 97पी टी, 20पी टी, 9पी टी	19.770	11, 12, 13, 14, 15	12.606	32.376
15		दहीसर	345-पी टी, 210पी टी, 211पी टी, 164पी टी, 163पी टी, 151पी टी, 149पी टी, 147पी टी, 146पी टी, 101पी टी, 100पी टी, 99पी टी, 98पी टी,	39.740	345ए -पी टी	87.833	127.573
16	ठाणे	कशी	89पी टी, 83पी टी, 82,79पी टी, 80, 90पी टी, 103पी टी, 77पी टी, 69पी टी, 68पी टी, 66पी टी, 58पी टी, 65, 64पी टी, 61पी टी, 62, 100पी टी, 101,60,55पी टी,96पी टी, 102पी टी, 54पी टी, 52पी टी, 104पी टी, 53,63, 47पी टी, 67पी टी, 43पी टी, 44पी टी, 45पी टी, 94पी टी, 50पी टी	34.090	---	---	34.090
			6पी टी, 102पी टी, 54पी टी, 52पी टी, 104पी टी, 53,65, 47पी टी, 44पी टी, 45पी टी, 94पी टी, 50पी टी				
17		मीरा	95पी टी, 96पी टी, 94पी टी,93पी टी, 92, 85पी टी, 84पी टी, 83पी टी, 79पी टी, 78पी टी, 77पी टी, 76पी टी, 69पी टी, 68पी टी, 67पी टी, 66पी टी, 65पी टी, 98पी टी, 70,	23.000	---	---	23.000
18		गोधुनदेर	खादी भाग , 244, 205, 241पी टी,गवथन, गवथन(पी टी) 236, 235, 237, 202, 203पी टी, 200, 240, 198, 14पी टी, 17पी टी, 18पी टी, 19पी टी, 191, 193पी टी, 188, 187पी टी, 186, 184, 183पी टी, 185पी टी, 177, 178पी टी, 215, 176पी टी, 174पी टी, 173, 216पी टी, 182पी टी, 180पी टी	38.040	217पी टी	0.557	38.597
19		वीरसावा	5पी टी, 6, 7, 10, 9पी टी, 11, 13, 14, 15,16पी टी, 2, गवथन , 109पी टी, 105पी टी, 106, 107, 108, 103, 102, 101पी टी, 91, 88, 89, 90, 87पी टी, 85पी टी, 86, 80पी टी, 78, 79, 77, 69, 68,	58.650	3पी टी, 34पी टी, 31, 32पी टी, 33पी टी	102.084	160.734

20		चेने	संपूर्ण क्षेत्र	185.37	101पी टी, 9पी टी,	13.915	199.285
21		ओवला	खादी भागt, 296, 286, 287, 288, 291पी टी, 285पी टी, 274पी टी, 273पी टी, 275पी टी, 276पी टी, 268पी टी, 269पी टी, 271, 272पी टी, 250पी टी, 245पी टी, 244, 243पी टी, 241पी टी, 240, 238, 239, 162पी टी, 161पी टी, 124पी टी, 121पी टी, झील, 251पी टी, 249पी टी, 247पी टी, 237पी टी. 119, 120/1-10, 122पी टी, 117पी टी, 118पी टी, 106पी टी, 115पी टी, 113पी टी, 124पी टी,	92.65	120/11, 273/3, 273/5, 291, 297	415.147	507.797
22		वडावली	19पी टी	1.910	---	---	1.910
23		बोरीवडे	78पी टी, 91/3, गवथन, 91/1पी टी, 91/2पी टी, 92पी टी, ½, 1/1पी टी, 2/6, 2/5, 2/4, 2/3, 2/2, 2/1, 3पी टी, 4/2, 4/1, 4/3, 6/3पी टी, 5/2, 6/1, 6/2, 8/5पी टी, 8/4, 8/1पी टी,	11.590	83/1,2,4,9,10, 5/1, 84/1/1, 85/1/2, 86/1/2, 79,80,	136.830	148.420
24		कवेसर	142, 143पी टी, 145पी टी, 154पी टी, 151पी टी, 147पी टी, 149, 150, 158पी टी, 159, 160, 161, 163पी टी, 162पी टी, 165पी टी, 166पी टी, 168पी टी, 170पी टी, 169पी टी, 196पी टी, 193पी टी, 185पी टी, 196, 197, 198, 141पी टी, 139पी टी, 146पी टी	42.000	---	---	42.000
25		कोलसेट	291पी टी, 100पी टी, 99पी टी, 114पी टी, 113पी टी, 112, 111पी टी, 110पी टी, 109/107, 108पी टी, 107, 106, 285पी टी	10.840	---	---	10.840
26		मनपड	57/3, 57/1पी टी, 57/2, 59ए /30/1पी टी, 59ए/31पी टी, 59/32, 59/27, 58/1पी टी, 59बी-पी टी, 59/1पी टी, 59/16पी टी, 59/18पी टी, 59/19पी टी, 59ए/28पी टी, 59ए/20, 59ए/2, 59ए/3, 59ए/4, 59ए/5, 59ए/13, 59ए/11पी टी, 70, 59ए/10, 71,59/सी, 59ए/6, 59ए/7, 59ए/8, 59ए/9	49.4054	59/1पी टी	68.141	117.546
27		मजीवादा	380पी टी, 254पी टी, 260पी टी, 261पी टी, 269, 263पी टी, 264पी टी, 268पी टी	66.890	419पी टी	1.720	68.610

28		पचपाखादी	432पी टी, 431पी टी, 430पी टी, 423पी टी,धेहरी नरसारी क्षेत्र, 263पी टी, 264पी टी, 265पी टी, 266पी टी, 267पी टी, 520पी टी, 373पी टी, 371पी टी, 270पी टी, 287पी टी, 288पी टी, 286पी टी, 285पी टी, 289पी टी, 291पी टी,नाला क्षेत्र -पी टी, 163पी टी, 160पी टी, 159, 158पी टी,	42.000	519पी टी, 520पी टी	4.835	46.8350
29		येउर	संपूर्ण क्षेत्र	197.453	42/1, 14, 20,	6.169	203.622
30	वसई	ससुनावघर	312/ए/1/(80), 312पी टी, 249पी टी, गवथन, 38(81), गवथन, 232(79), 244(77), 245(73), 248(76), 362पी टी, 251, 328, 68, 13(66), 12(67), 14(64), 16(65), 15(63), 17(62), 18(61), 374(60), 19(59), 11(69), 355(77) 21(78) 22(79) 23(80) 28(82) 26(83) 27(84) 24(81) 28(85) 32 (86) 33(88) 34(87) 35(91) 36(90) 37(92) 38(96) 39(97) 71(154) 72(157) 74(156) 1, 2, 3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,13,14, 151,8,19,20,2122,23, करनाला पाडा 24,25,26,2728,29,30,31,32,33, 3435,36,37,3839,40,41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57,	103.320	312पी टी, 249, 374, 371, 372, 362पी टी, 361	130.581	233.901
			(69), 355(77), 21(78), 22(79), 23(80), 25(82), 26(83), 27(84), 24(81), 28(85), 32(86), 33(88), 34(87), 35(91), 36(90), 37(92), 38(96), 39(97), 71(154), 72(157), 74(156), 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,13, 14,15,18, 19,20,21,22,23, करनाला पड 24,25,26,27,28,29,30,31,32,33, 34,35,36,37,38,39,40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51,52,53,54,55,56,57,				
31		मोरी	संपूर्ण क्षेत्र	164.530	---	---	164.530

32		पोमन	220,188,187,217,पड 216, 212,214,185,219,249,184, 183, 221, 222, 186, 181, 182, 17, 175, 176, 174, 179, 223, 178, 177, 211, 169, 173, 172, 171, 247, 170, पड, 168, 167, 163, 164, 160, 161, 162,	79.130	---	---	79.130
33		कमन	99, 149, 148, 147,	12.140	---	---	12.140
34		शीलोटर	5, 4, 3, 1पी टी, 21पी टी, 6	3.6300	---	---	3.630
35	बोरीवली	शीमपोली	----	---	20	4.846	4.846
36		बोरीवली तरफ मलद	---	---	143, 146, 147	7.249	7.249
37		कंडीवली	---	---	164ए	0.752	0.752
38		तुलसी	झील	120.000	---	---	120.000
39		नगले	7, 72पी टी, 6, 65पी टी, 92पी टी, 5, 4पी टी, 16पी टी, 15पी टी, 14पी टी, 21पी टी, 20पी टी, 70, 69, 22, 11, 67, 24पी टी, 10पी टी, 25पी टी, 29पी टी, 66 30पी टी, 32पी टी, 33पी टी, 35पी टी, 34पी टी, 59पी टी, 37पी टी, 38पी टी, 39पी टी,	39.3202	23	6.2625	45.2827
40		पसपोली	18.71			18.71	
41		कनजूर	3.000			3.000	
		कुल	**4785.66**		**1924.969**	**6110.629**	

उपाबंध- IV

पारिस्थितिक संवेदी जोन मानीटरी समिति - की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान

1. बैठकों की संख्या और तिथि।

2. बैठकों का कार्यवृत : कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें। बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुबंध में उपाबद्ध करें।

3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना।

4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सारांश ।

5. ईआईए अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश। ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं।

6. ईआईए अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संविक्षा के मामलों का सारांश। ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में उपाबद्ध किए जा सकते हैं।

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश।

8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January, 2016

S.O. 229(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the Public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forests and Climate

Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at: - esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, the Sanjay Gandhi National Park (hereinafter referred to as the National Park) is a unique habitat enclosed in the metropolis of Mumbai and is located in the Thane and Mumbai District of Maharashtra between N 19° 8.8" to 19 ° 21" latitude and E 72° 53" to 72 ° 58" longitudes;

AND WHEREAS the National Park is home to a number of endangered species of flora and fauna and harbours approximately 800 species of flowering plants, 45 species of mammals, 43 species of reptiles, 38 species of snakes, 12 species of amphibians, 300 species of birds, 150 species of butterflies;

AND WHEREAS, the area is known for mammalian species such as Leopard, Wild Boar, Four Horned Antelope, Blacknaped hare, Wild Cat, Jackal, and Porcupine and also harbours many bird species such as Peacock, Lesser grebe, Purple Heron, Smaller Egret, Lesser Whistling Teal, Pariah Kite, Bulbul and many reptiles are also found in the National Park including snakes as Indian Cobra and Viper;

AND WHEREAS, the vegetation of the area ranges from littoral forests to western sub-tropical hill forests and as per the Revised Classification of Indian Forest Types by Champion and Seth, the National Park has Southern Tropical Moist Mixed Deciduous Forest and Western Sub Tropical Hill Forest and some of the tree species are *Tectona grandis*, *Terminalia tomentosa*, *Acacia catechu*, *Adina cordifolia*, *Mitragyna parviflora*, *Pterocarpus marsupium*, Holarrhena antidyssentrica, Butea monosperma, and Diospyros melanoxylon etc.;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area the extent and boundaries of which is specified in paragraph 1 of this notification around the Sanjay Gandhi National Park as Eco-sensitive Zone from ecological and environmental point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

NOW Therefore, in exercise of the power conferred by sub section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent of up to Four kilometers from the boundary of Sanjay Gandhi National Park in the State of Maharashtra as the Sanjay Gandhi National Park Eco-sensitive Zone (hereinafter after referred to as Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

1. Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.- (1) The Eco-Sensitive Zone is spread over an area of 6110.629 hectares to an extent of up to Four kilometres from the boundary of Sanjay Gandhi National Park and the boundary description of the Eco-sensitive Zone is given in **Annexure I**.

(2) The list of the villages falling within Eco-sensitive Zone is appended as **Annexure II.**

(3) The map of the Eco-sensitive zone along with latitude and longitude is appended as **Annexure III.**

2. Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone.- (1) The State Government shall, for the purpose of the Eco-sensitive Zone prepare, a Zonal Master Plan, within a period of two years from the date of publication of final notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification.

(2) The said Plan shall be approved by the Competent Authority in the State Government.

(3) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(4) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with all concerned State Departments, namely:-

(i) Environment,

(ii) Forest,

(iii) Urban Development,

(iv) Tourism,

(v) Municipal,

(vi) Revenue,

(vii) Agriculture

(Viii) Maharashtra State Pollution Control Board,

(ix) Irrigation

(x) Public Works Department

for integrating environmental and ecological considerations into it.

(5) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(6) The Zonal Master plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(7) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, village and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies.

(8) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone as to ensure Eco-friendly development for livelihood security of local communities.

3. **Measures to be taken by State Government.-**The State Governments shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) **Land use.-** Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or industrial related development activities:

Provided that the conversion of agricultural lands within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the State Government, to meet the residential needs of local residents, and for the activities listed against serial numbers 10, 16, 22, 28 and 31 in column (2) of the Table in paragraph 4, namely:-

(i) Eco-friendly cottages for temporary occupation of tourists, such as tents, wooden houses, etc. for Eco-friendly tourism activities,

(ii) Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.

(iii) Small scale industries not causing pollution,

(iv) Rainwater harvesting, and

(v) Cottage industries including village industries, convenience stores, local amenities, public utility and community buildings:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change:

Provided also that the above correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

Provided also that there shall be no consequential reduction in green area, such as forest area, and agricultural area and efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas.

(2) **Natural Springs.-**The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas as which are detrimental to such areas.

(3) **Tourism.-** (a) The activity relating to tourism within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan, which shall form part of the Zonal Master Plan.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the Department of Tourism, Government of Maharashtra in consultation with Department of Revenue and Forests, Government of Maharashtra.

(c) The activity of tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority, (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development and based on carrying capacity study of the Eco-sensitive Zone;

(ii) new construction of hotels and resorts shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the Sanjay Gandhi National Park except for accommodation for temporary occupation of tourists related to Eco-friendly tourism activities.

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected areas till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be permitted only in pre-defined and designated areas for Eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(iii) till the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee.

(4) **Natural Heritage.-** All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and preserved and plan shall be drawn up for their protection and conservation, within six months from the date of publication of this notification and such plan shall form part of the Zonal Master Plan.

(5) **Man-made heritage sites.-** Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be indentified in the Eco-sensitive Zone and plans for their conservation shall be prepared within six months from the date of publication of this notification and incorporated in the Zonal Master Plan.

(6) **Noise pollution.-** The Environment Department of the State Government or Maharashtra State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(7) **Air pollution.-** The Environment Department of the State Government or Maharashtra State Pollution Control Board shall draw up guidelines and regulations for the control of air pollution in the Eco-sensitive Zone in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) **Discharge of effluents.-** The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974) and the rules made thereunder.

(9) **Solid wastes. -** Disposal of solid wastes shall be as under:-

(i) the solid waste disposal in Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* notification number S.O. 908 (E), dated the 25th September 2000 as amended from time to time;

(ii) the local authorities shall draw up plans for the segregation of solid wastes into biodegradable and non-biodegradable components;

(iii) the biodegradable material shall be recycled preferably through composting or vermiculture;

(iv) The inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone and no burning or incineration of solid wastes shall be permitted in the Eco-sensitive Zone.

(10) **Bio-medical waste.-** The bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 1998 published by the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests *vide* Notification number S.O. 630(E), dated the 20th July, 1998 as amended from time to time.

(11) **Vehicular traffic**. - The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(12) **Industrial Units**

(a) No establishment of new wood based Industries within the proposed Eco-sensitive zone shall be permitted except the existing wood based Industries set up as per the Law.

(b) No establishment of any new Industry causing water, air, soil, noise pollution within the proposed Eco-sensitive zone shall be permitted.

4. **List of activities prohibited or to be regulated within the Eco-sensitive Zone.-** All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986), and the rules made thereunder and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S.No.	Activity	Remarks
(1)	(2)	(3)
Prohibited Activities		
1.	Commercial Mining, stone quarrying and crushing units.	(a) New and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for the domestic needs of *bona fide* local residents with reference to digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing for personal use. (b) The license/lease of existing stone crushers shall not be extended. (c) The mining operations shall strictly be in accordance with the interim order of the Hon'ble Supreme Court dated 04.08.2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and order of the Hon'ble Supreme Court dated 21.04.2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting up of saw mills.	No new or expansion of any existing saw mills shall be permitted within the Eco-sensitive Zone.
3.	Setting up of industries causing water or air or soil or noise pollution.	No new or expansion of polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
4.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
5.	Establishment of new major hydroelectric projects.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
6.	Use or production of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
7.	Discharge of untreated effluents and solid waste in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.
8.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the National Park Area by aircraft, hot-air balloons.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws.

9	New wood based industry.	Establishment of new wood based industry shall not be permitted within the limits of Eco-sensitive Zone: Provided the existing wood-based industry may continue unless prohibited under any law for the time being force.
Regulated Activities		
10.	Establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the National Park except for accommodation for temporary occupation of tourists related to eco-friendly tourism activities: provided that beyond one kilometer and upto the extent of the Eco-sensitive Zone, all new tourism activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and National Tiger Conservation Authority guidelines.
11	Construction activities.	(a) No new commercial construction of any kind shall be permitted within one kilometer from the boundary of the National Park: Provided that local people shall be permitted to undertake construction in their land for their residential use including the activities listed in sub-paragraph (1) of paragraph 3: **Provided further that under construction commercial buildings including group housing societies, offices, Information Technology /Information Technology Enabled Services Parks, Hotels and Resorts, Roads, Transmission lines, Sewage lines, civic amenities etc., sanctioned by concerned Local Self Government under approved Development Plan under the Maharashtra Regional and Town Planning Act, may be allowed to be completed within one kilometer from the boundary of the Protected Area subject to the applicable rules and regulations *inter alia* including Environment and Wildlife Clearance:** **Provided further that commercial redevelopment, reconstruction, repairs of existing structures which includes group housing societies, sanctioned by concerned Local Self Government under approved Development Plan under the Maharashtra Regional and Town Planning Act, may be allowed within one kilometer from the boundary of the Protected Area subject to the applicable rules and regulations *inter alia* including Environment and Wildlife Clearance**. (b) The construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be permitted as per applicable rules and regulations, if any, with the prior permission from the competent authority. (c) Beyond one kilometer and upto the extent of Eco sensitive Zone, construction for bona fide local needs shall be permitted and other commercial construction activities shall be in conformity with the as Zonal Master Plan. (d) construction activity in the Eco-sensitive Zone shall be as per Zonal Master Plan.
12.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees on the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.

13.	Commercial water resources including ground water harvesting.	(a) The extraction of surface water and ground water shall be permitted only for *bona fide* agricultural use and domestic consumption of the occupier of the land. (b) Extraction of surface water and ground water for industrial or commercial use including the amount that can be extracted, shall require prior written permission from the concerned regulatory authority: **Provided that this shall not hinder the activities and purpose of MCGM for their existing reservoirs of tulsi and Vihar.** (c) No sale of surface water or ground water shall be permitted. (d) Steps shall be taken to prevent contamination or pollution of water from any source including agriculture.
14.	Erection of electrical cables and telecommunication towers.	(a) The laying of new high tension transmission wires shall not be permitted from the boundary of Sanjay Gandhi National Park to a distance of one kilometre. (b) underground cabling may be permitted.
15.	Fencing of existing premises of hotels and lodges.	Regulated as per applicable laws.
16.	Widening and strengthening of existing roads, bridges, infrastructure and construction of new roads, public utility or community buildings.	Shall be done with proper Environment Impact Assessment and mitigation measures, as applicable.
17.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
18.	Introduction of exotic species.	Regulated as per applicable laws.
19.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per applicable laws.
20.	Discharge of treated effluents in natural water bodies or land area.	Recycling of treated effluent shall be encouraged and for disposal of sludge or solid wastes shall be in accordance with the applicable regulations.
21.	Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated as per applicable laws.
22.	Small scale industries not causing pollution.	Non polluting, non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous goods from the Eco-sensitive Zone, and which do not cause any adverse impact on environment shall be permitted.
23.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest Produce (NTFP).	No collection centre shall be permitted within 1 km from the boundary of Wild Life Sanctuary or National Park.
24	Air and vehicular pollution.	Regulated as per applicable laws.
25	Use of polythene bags by shopkeepers.	Regulated as per applicable laws.
26	Drastic Change of Agriculture systems.	Regulated as per applicable laws.
Promoted Activities		
27.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted under applicable laws
28.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
29.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
30.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
31.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
32.	Use of renewable energy sources	Bio gas, solar light etc to be promoted

5. Monitoring Committee:-

(1) The Central Government for effective monitoring of the Eco-sensitive Zone, hereby constitutes a Monitoring Committee, which shall comprise of the following, namely:-

(a)	District Collector, Thane Dist.	—Chairman
(b)	Chief Conservator and Director Sanjay Gandhi National Park, Division Forest officer, Sanjay Gandhi National Park.	—Member
(c)	Deputy Collector, Mumbai Suburban District.	
(e)	One representative of Non Governmental Organisation working in the field of environment to be nominated by the Government of Maharashtra for a term of one year in each case.	—Member
(f)	One expert in the area of ecology and environment to be nominated by the Government of Maharashtra for a term of one year in each case.	—Member
(g)	Regional Officer, Maharashtra State Pollution Control Board, Mumbai/Thane.	—Member
(h)	Town Planning Officer, Mumbai/Thane.	—Member
(i)	Assistant Conservator of Forest (L.R.P.) Thane.	
(j)	Range Forest Officer, Thane.	—Member
(k)	Forest Surveyor of Thane Division.	—Member
(l)	Deputy Conservator of Forests, Thane Forest Division	—Member Secretary

Terms of Reference

(2) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Collector(s) or the concerned park Deputy Conservator of Forests shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from Industry Associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on 31st March of every year by 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden of the State as per pro forma given in **Annexure IV**.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forests and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

6. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

7. The provisions of this notification are subject to the orders, if any, passed, or to be passed, by the Hon'ble Supreme Court of India or the High Court or National Green Tribunal (NGT).

[F. No. 25/47/2014-ESZ-RE]

DR. T. CHANDINI, Scientist 'G'

Annexure I

Description of Boundaries of proposed Eco-sensitive Zone of Sanjay Gandhi National Park

Direction	Bounded by
North	Boundary of Sasunavghar (Malji pada) Nala. [Latitude $19^0$20'48.91"N] [Longitude $72^0$53'32.47"E]
East	Boundary of Nagle (pt), Owala (pt.), Borivade (pt.) Vadavali (pt.), Kavesar(pt), Kolshet(pt.), Manpada (pt.), Majiwada (pt.), Pachpakhadi (Pt.), Mulund (Pt.), Nahur (Pt.), Clerabad (Pt.), Vihar. [Latitude $19^0$14'39.38"N] [Longitude $72^0$58'35.54"E]

South	Area of Aarey Dairy Division Boudary, Villages Sai (Pt.). [Latitude $19^0$07'27.76"N] [Longitude $72^0$52'46.89"E]
West	Area of Aarey Dairy Division Boudary, Malad (Pt.), Akurli(pt.), Poisar (Pt.), Magathane (Pt.), Kanheri (Pt.), Dahisar(Pt.), Kashi (Pt.), Mira (Pt.), Ghodbunder (Pt.), Varsave (Pt.), Sasunavghar (Pt.) [Latitude $19^0$13'53.22"N] [Longitude $72^0$51'45.76"E]

Annexure II

Map of proposed Eco-sensitive Zone

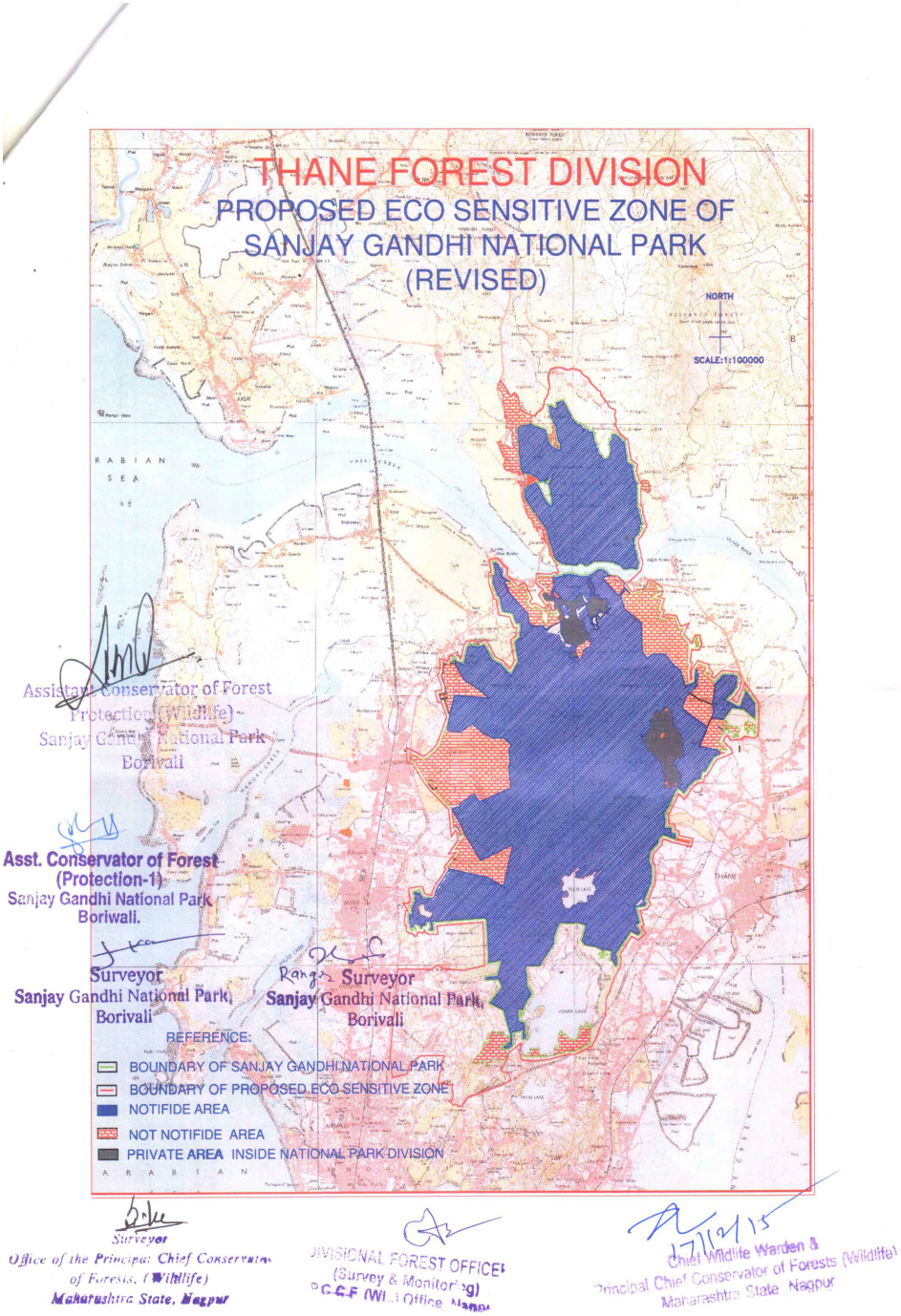

Annexure II-contd..

List of village/township, inside the ESZ along with 'Lat-Long' with respect of the Protected Area (Coordinates of atleast one point therein)

Sr.No.	Name of Villages	Eco-sensitive Zone	
		Latitude	Longitude
1	Tulsi Lake in village Tulsi	19°11'25.99"	72° 55'00.72"
2	Clerabad	19°09'59.11"	72° 55'42.14"
3	Mulund	19°10'47.09"	72° 56'19.99"
4	Nahur	19°10'02.33"	72° 55'52.84"
5	Gundgoan (Vihar Lake)	19°10'10.59"	72° 55'19.52"
6	Vihar (Vihar Lake)	19°08'45.58"	72° 55'22.43"
7	Kanjur	19°08'32.66"	72° 55'13.80"
8	Paspoli	19°08'19.32"	72° 54'26.38"
9	Saie	19°08'22.89"	72° 54'31.23"
10	Area of Aarey (Dairy Development Division)	19°09'59.24"	72° 51'31.90"
11	Aarey	19°10'04.75"	72° 52'31.31"
12	Marol (Moroshi)	19°08'22.27"	72° 53'37.37"
13	Malad	19°10'50.99"	72° 52'54.28"
14	Akurli	19°11'51.86"	72° 52'42.88"
15	Poisar	19°12'45.92"	72° 52'37.54"
16	Kandivali	19°12'28.52"	72° 50'38.93"
17	Magathane	19°13'07.72"	72° 52'23.75"
18	Kanheri	19°13'52.58"	72° 51'45.53"
19	Shimpoli	19°13'10.14"	72° 50'45.17"
20	Borivali Tarf Malad	19°14'07.70"	72° 50'15.02"
21	Dahisar	19°14'16.12"	72° 52'22.34"
22	Kashi	19°15'43.13"	72° 52'48.54"
23	Mira	19°15'27.70"	72° 53'47.65"
24	Ghodbunder	19°17'31.44"	72° 53'22.10"
25	Varsava	19°16'37.12"	72° 54'24.26"
26	Chene	19°16'28.17"	72° 55'01.30"
27	Old Village-Owala (Including new village Bhayanderpada)	19°17'06.44"	72° 56'23.27"
28	Vadavali	19°15'28.32"	72° 57'18.84"
29	Borivada	19°15'24.04"	72° 57'35.51"
30	Kavesar	19°15'33.30"	72° 57'55.78"
31	Kolshet	19°14'58.33"	72° 58'28.02"

32	Manpada	19°14'13.46"	72° 58'26.87"
33	Majiwada	19°13'43.89"	72° 57'43.25"
34	Pachpakhadi	19°12'15.06"	72° 57'15.79"
35	Yeur	19°14'01.49"	72° 56'40.71"
36	Sasunavghar	19°19'15.85"	72° 53'37.82"
37	Mori	19°20'53.73"	72° 54'35.26"
38	Poman	19°20'22.36"	72° 55'42.07"
39	Kaman	19°20'59.72"	72° 54'56.78"
40	Shilottar	19°20'00.32"	72° 55'46.02"
41	Nagle	19°18'57.18"	72° 56'23.63"

Annexure II-contd

Location of Various Points on the Boundary of Sanjay Gandhi National Park, Borivali.

S.No.	Latitide	Longitude	Remarks
A	19°20'26.91"	72° 54'27.07"	Boundary Cairns (Buruj)
B	19°19'49.81"	72° 55'44.18"	Boundary Cairns (Buruj)
C	19°17'06.50"	72° 55'53.31"	Owale Survey No-289
D	19°15'32.08"	72° 58'11.00"	Kavesar R.C.C.Wall
E	19°12'20.36"	72° 56'59.00"	Pachpakhadi R.C.C. Wall
F	19°10'01.07"	72° 55'49.04"	Nahur R.C.C. Wall
G	19°08'34.24"	72° 53'37.85"	Saei (Bangoda) R.C.C. Wall
H	19°10'53.22"	72° 52'24.63"	Malad Wall
I	19°14'17.20"	72° 52'27.43"	Boundary Cairns (Buruj) Dahisar Survey no.42B
J	19°15'56.40"	72° 52'52.39"	Kashi Wall
K	19°17'11.84"	72° 53'25.24"	Ghodbunder Wall
L	19°17'27.11"	72° 54'40.80"	Sasunavghar Wall

Annexure III

List of villages falling within the proposed Eco-sensitive Zone

Sl.No.	Name of Villages	Eco-sensitive Zone		
		Private Land (Ha.)	Forest Area (Ha.)	Total (Ha.)
1.	Tulsi	120.000	---	120.000
2.	Clerabad	10.6817	0.395	11.0767
3.	Mulund	18.590	2.800	21.390
4.	Nahur	15.680	2.873	18.553
5.	Gundgoan (Vihar Lake)	293.110	45.527	338.637
6.	Vihar (Vihar Lake)	510.790	---	510.790

7.	Kanjur	3.0000	---	3.0000
8.	Paspoli	18.71	---	18.71
9.	Saei	137.310	3.315	140.625
10.	Area of Aarey Dairy Division & areas handed by Aarey to other State Departments in the villages included therein.	1279.740	---	1279.740
11.	Area of Filmcity of the Maharashtra Film, Stage and Cultural Development Corporation Ltd. In village – Aarey, Saie & Gundgaon.	210.830	---	210.830
12.	Marol (Moroshi)	97.000	76.000	173.000
13.	Malad	95.12	---	95.12
14.	Akurli	17.230	99.709	116.939
15.	Poisar	16.120	119.491	135.611
16.	Kandivali		0.752	0.752
17.	Magathane	26.280	575.331	601.611
18.	Kanheri	19.770	12.606	32.376
19.	Shimpoli		4.846	4.846
20.	Borivali Tarf Malad		7.249	7.249
21.	Dahisar	39.740	87.833	127.573
22.	Kashi	34.090	---	34.090
23.	Mira	23.000	---	23.000
24.	Ghodbunder	38.040	0.557	38.597
25.	Versava	58.650	102.084	160.734
26.	Chene	185.37	13.915	199.285
27.	Old Owala (including new Bhayanderpada village)	92.65	415.147	507.797
28.	Vadavali	1.910	---	1.910
29.	Borivade	11.590	136.830	148.420
30.	Kavesar	42.000	---	42.000
31.	Kolshet	10.840	---	10.840
32.	Manpada	49.4054	68.141	117.546
33.	Majiwada	66.890	1.720	68.610
34.	Pachpakhadi	42.000	4.835	46.835
35.	Yeur	197.453	6.169	203.622
36.	Sasunavghar	103.320	130.581	233.901
37.	Mori	164.530	---	164.530
38.	Poman	79.130	---	79.130
39.	Kaman	12.140	---	12.140

40.	Shilottar	3.630	---	3.630
41.	Nagle	39.3202	6.2625	45.5827
	Total	**4785.66**	**1924.969**	**6110.629**

(4) B. Extent of Eco-sensitive Zone (Villagewise 'Survey numbers' included in the proposed.

Sl No.	**Taluka**	**Name of Villages**	**Eco-sensitive Zone**				**Total (Ha.)**
1	Kurla		**Private Land Survey No.**	**Private Land (Ha.)**	**Forest land survey no.**	**Forest Area (Ha.)**	
		Mulund	377/351pt, 380pt, 247pt, 232pt, 247pt, 248pt, 249pt, 251pt, 250pt, 245pt,	18.590	377/351pt	2.800	21.390
2		Nahur	150pt (17Apt), 147pt, 146pt, 155pt, 176/148, 165, 167.	15.680	177/148pt	2.873	18.553
3	Borivali	Gundgoan (Vihar Lake)	Vihar Lake,	293.11	124pt,	45.527	338.637
4		Vihar (Vihar Lake)	61, 62, 63, 58, Vihar Lake	510.790	---	---	510.790
5		Area of Aarey Dairy Division & areas handed by Aarey to other State Departments	-------	1279.74	---	---	1279.74
6	Borivali	Area of the filmcity, Maharashtra Film, Stage and cultural Development Department. (under village Aarey-pt, Saei-pt & Gundgaon pt)	1/1, 1/3 pt, 1/4pt, 188pt(124pt), 19pt,	210.83	---	---	210.83
7	Andheri	Marol (Moroshi) (Royal Palms)	169	97.000	CTS NO-1689pt, 1690pt, 1697pt,	76.000	173.000
8	Borivali	Saie	162, 168, 6, 7, 160, 118pt, 8, 179, 9, 10, 128, 19, 18, 5, 169, 12, 15, 170, 17, 16, 173, Lake	137.31	19pt	3.315	140.625
9		Clerabad	55,56,	10.6817	57pt	0.395	11.0767
10		Malad	239/1pt, 269, 267pt, 271, 272, 253pt, 273pt, 274pt, 275pt, 276, 277pt, 278pt, 237pt, 221pt, 227pt, 226pt, 224, 223pt, 234, 222pt, 225pt, 228pt, 233pt, Kurar village part area,	95.12			95.12
11		Akurli	88pt, 86pt, 87A-pt	17.230	87A-pt	99.709	116.939
12		Poisar	41pt, 42Apt,	16.120	42/A-pt, 46	119.491	135.611
13		Magathane	148pt, 80, 88pt, 99pt, 98pt, 97pt, 96pt, 105pt, 95pt, 94pt, 57pt, 58pt,	26.280	34B-pt	575.331	601.611

			50pt, 34pt, 47pt, 48pt, 89pt, 34B-pt.				
14		Kanheri	17pt, 16pt, 18Apt, 18B, 19pt, 21pt, 10pt, 97pt, 20pt, 9pt	19.770	11, 12, 13, 14, 15	12.606	32.376
15		Dahisar	345-Cpt, 210pt, 211pt, 164pt, 163pt, 151pt, 149pt, 147pt, 146pt, 101pt, 100pt, 99pt, 98pt,	39.740	345A-pt	87.833	127.573
16	Thane	Kashi	89pt, 83pt, 82,79pt, 80, 90pt, 103pt, 77pt, 69pt, 68pt, 66pt, 58pt, 65, 64pt, 61pt, 62, 100pt, 101,60,55pt,96pt, 102pt, 54pt, 52pt, 104pt, 53,63, 47pt, 67pt, 43pt, 44pt, 45pt, 94pt, 50pt	34.090	---	---	34.090
17		Mira	95pt, 96pt, 94pt, 93pt, 92, 85pt, 84pt, 83pt, 79pt, 78pt, 77pt, 76pt, 69pt, 68pt, 67pt, 66pt, 65pt, 98pt, 70,	23.000	---	---	23.000
18		Ghodhunder	Khadi part, 244, 205, 241pt, Gavthan, Gavthan(pt) 236, 235, 237, 202, 203pt, 200, 240, 198, 14pt, 17pt, 18pt, 19pt, 191, 193pt, 188, 187pt, 186, 184, 183pt, 185pt, 177, 178pt, 215, 176pt, 174pt, 173, 216pt, 182pt, 180pt	38.040	217pt	0.557	38.597
19		Versava	5pt, 6, 7, 10, 9pt, 11, 13, 14, 15,16pt, 2, Gavthan, 109pt, 105pt, 106, 107, 108, 103, 102, 101pt, 91, 88, 89, 90, 87pt, 85pt, 86, 80pt, 78, 79, 77, 69, 68, 67, 66, 65, 72pt, 70, 71, 58, 62, 63, 64, 61, 57, 59, 60, 56pt, 52pt, 53pt, 54pt, 34pt, 21pt, 36pt, 35pt, 42pt, 27pt, 28, 29, 30	58.650	3pt, 34pt, 31, 32pt, 33pt	102.084	160.734
20		Chene	Whole Area	185.37	101pt, 9pt,	13.915	199.285
21		Owala	Khadi part, 296, 286, 287, 288, 291pt, 285pt, 274pt, 273pt, 275pt, 276pt, 268pt, 269pt, 271, 272pt, 250pt, 245pt, 244, 243pt, 241pt, 240, 238, 239, 162pt, 161pt, 124pt, 121pt, Lake, 251pt, 249pt, 247pt, 237pt. 119, 120/1-10, 122pt, 117pt, 118pt, 106pt, 115pt, 113pt, 124pt,	92.65	120/11, 273/3, 273/5, 291, 297	415.147	507.797
22		Vadavali	19pt	1.910	---	---	1.910
23		Borivade	78pt, 91/3, Gavthan, 91/1pt, 91/2pt, 92pt, ½, 1/1pt, 2/6, 2/5, 2/4, 2/3, 2/2, 2/1, 3pt, 4/2, 4/1, 4/3, 6/3pt, 5/2, 6/1, 6/2, 8/5pt, 8/4, 8/1pt,	11.590	83/1,2,4,9,10, 5/1, 84/1/1, 85/1/2, 86/1/2, 79,80,	136.830	148.420
24		Kavesar	142, 143pt, 145pt, 154pt, 151pt, 147pt, 149, 150, 158pt, 159, 160, 161, 163pt, 162pt, 165pt, 166pt, 168pt, 170pt, 169pt, 196pt, 193pt, 185pt, 196, 197, 198, 141pt, 139pt, 146pt	42.000	---	---	42.000
25		Kolshet	291pt, 100pt, 99pt, 114pt, 113pt, 112, 111pt, 110pt, 109/107, 108pt, 107, 106, 285pt	10.840	---	---	10.840
26		Manpada	57/3, 57/1pt, 57/2, 59A/30/1pt, 59A/31pt, 59/32, 59/27, 58/1pt, 59B-pt, 59/1pt, 59/16pt, 59/18pt, 59/19pt, 59A/28pt, 59A/20, 59A/2,	49.4054	59/1pt	68.141	117.546

			59A/3, 59A/4, 59A/5, 59A/13, 59A/11pt, 70, 59A/10, 71,59/C, 59A/6, 59A/7, 59A/8, 59A/9				
27		Majiwada	380pt, 254pt, 260pt, 261pt, 269, 263pt, 264pt, 268pt	66.890	419pt	1.720	68.610
28		Pachpakhadi	432pt, 431pt, 430pt, 423pt, Dheari narsari area, 263pt, 264pt, 265pt, 266pt, 267pt, 520pt, 373pt, 371pt, 270pt, 287pt, 288pt, 286pt, 285pt, 289pt, 291pt, nala area-pt, 163pt, 160pt, 159, 158pt,	42.000	519pt, 520pt	4.835	46.8350
29		yeur	Whole Area	197.453	42/1, 14, 20,	6.169	203.622
30	Vasai	Sasunavghar	312/A/1/(80), 312pt, 249pt, Gavthan, 38(81), Gavthan, 232(79), 244(77), 245(73), 248(76), 362pt, 251, 328, 68, 13(66), 12(67), 14(64), 16(65), 15(63), 17(62), 18(61), 374(60), 19(59), 11(69), 355(77) 21(78) 22(79) 23(80) 28(82) 26(83) 27(84) 24(81) 28(85) 32 (86) 33(88) 34(87) 35(91) 36(90) 37(92) 38(96) 39(97) 71(154) 72(157) 74(156) 1, 2, 3,4,5,6,7,8,9,10,11,12,13,14,151,8, 19,20,2122,23, Karnala pada 24,25,26,2728,29,30,31,32,33,3435, 36,37,3839,40,41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57,	103.320	312pt, 249, 374, 371, 372, 362pt, 361	130.581	233.901
31		Mori	Whole Area	164.530	---	---	164.530
32		Poman	220,188,187,217,Pada,216, 212,214,185,219,249,184, 183, 221, 222, 186, 181, 182, 17, 175, 176, 174, 179, 223, 178, 177, 211, 169, 173, 172, 171, 247, 170, pada, 168, 167, 163, 164, 160, 161, 162,166, 165	79.130	---	---	79.130
33		Kaman	99, 149, 148, 147,	12.140	---	---	12.140
34		Shilottar	5, 4, 3, 1pt, 21pt, 6	3.6300	---	---	3.630
35	Borivali	Shimpoli	----	---	20	4.846	4.846
36		Borivali Tarf Malad	---	---	143, 146, 147	7.249	7.249
37		Kandivali	---	---	164A	0.752	0.752
38		Tulsi	Lake	120.000	---	---	120.000
39		Nagle	7, 72pt, 6, 65pt, 92pt, 5, 4pt, 16pt, 15pt, 14pt, 21pt, 20pt, 70, 69, 22, 11, 67, 24pt, 10pt, 25pt, 29pt, 66 30pt, 32pt, 33pt, 35pt, 34pt, 59pt, 37pt, 38pt, 39pt,	39.3202	23	6.2625	45.2827
40	Paspoli	22pt, 23pt	18.71			18.71	
41	Kanjur		3.000			3.000	
	Total		**4785.66**		**1924.969**	**6110.629**	

Annexure IV

Proforma of Action Taken Report: - Eco-sensitive Zone Monitoring Committee.-

1. Number and date of Meetings
2. Minutes of the meetings: Mention main noteworthy points. Attached Minutes of the meeting on separate Annexure.
3. Status of preparation of Zonal master Plan including Tourism master Plan
4. Summary of cases dealt for rectification of error apparent on face of land record. Details may be attached as Annexure
5. Summary of cases scrutinized for activities covered under Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
6. Summary of case scrutinized for activities not covered under Environment Impact Assessment Notification, 2006. Details may be attached as separate Annexure.
7. Summary of complaints ledged under Section 19 of Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.